अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय - 'मोहनदास नैमिशराय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व' **1-15**

1.1. व्यक्तित्व

1.1.1. जन्म

1.1.2. परिवार

1.1.3. माता-पिता

1.1.3.1. माता

1.1.3.2. पिता

1.1.4. बचपन

1.1.5. शिक्षा

1.1.6. नौकरी

1.1.7. रहन-सहन तथा खानपान

1.1.8. विवाह तथा संतान

1.1.9. जीवन के प्रति दृष्टिकोन

1.2. कृतित्व

1.2.1. उपन्यास

1.2.2. कहानी

1.2.3. नाटक

1.2.4. काव्य

1.2.5. आत्मकथा

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR

1.2.6. जीवनी

1.2.7. अन्य साहित्य

1.2.7.1. वैचारिक ग्रंथ

1.2.7.2. शोध ग्रंथ

1.2.7.3. संपादित साहित्य

1.2.7.4. बाल साहित्य

1.2.7.5. संकलित साहिन्य

1.2.7.6. अनूदित साहित्य

1.2.7.7. अंग्रेजी साहित्य

1.2.8. पुरस्कार

- निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय - 'मोहनदास नैमिशराय के उपन्यास : वस्तुपरक अध्ययन' 16-59

2.1. प्रस्तावना

2.1.1. मुक्तिपर्व - शीर्षक का अर्थ

2.1.2. कथानक की दृष्टि

2.1.3. मुक्तिपर्व : वस्तुपरक अध्ययन

- निष्कर्ष

2.2. प्रास्ताविक

2.2.1. वीरांगना झलकारी बाई : वस्तुपरक अध्ययन

- निष्कर्ष

तृतीय अध्याय - 'मोहनदास नैमिशराय के उपन्यास : दलित चेतना' 60-89

3.1. प्रस्तावना

3.1.1. दलित : परिभाषा

3.1.2. चेतना शब्द की व्युत्पत्ति और अर्थ

3.1.3. चेतना : परिभाषा

3.1.4. चेतना के प्रकार

3.1.4.1. सामयिक चेतना

3.1.4.2. सामाजिक चेतना

3.1.4.3. राजनीतिक चेतना

3.1.5. दलितोद्धारक

3.1.5.1. डॉ. बाबासाहेब अम्बेड़कर

3.1.5.2. महात्मा फुले

3.1.5.3. राजर्षि श्री. शाहू महाराज

3.1.5.4. महात्मा गांधी

3.1.6. मोहनदास नैमिशराय जी के विवेच्य उपन्यासों में दलित चेतना

3.1.6.1. गुलामी के प्रति विद्रोह

3.1.6.2. रूढ़िग्रस्त दलितों में चेतना

3.1.6.3. जातिगत विद्रोह

3.1.6.4. शिक्षा के प्रति चेतना

3.1.6.5. अवैध व्यवहार के प्रति विद्रोह

3.1.6.6. दलितों में कर्तव्य निर्वाह

3.1.6.7. दलित नारी चेतना

3.1.6.8. नेतृत्व कुशल दलित नारी

■ निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय - मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में चित्रित दलित जीवन की समस्याएँ **90-110**

4.1. प्रस्तावना

4.1.1. स्वातंत्र्यता तथा मुक्तता की समस्या

4.1.2. गुलामी की समस्या

4.1.3. शिक्षा समस्या

4.1.4. मंदिर प्रवेश की समस्या

4.1.5. जातिभेद की समस्या

4.1.6. आंतरजातिय विवाह की समस्या

4.1.7. न्याय संबंधी समस्या

■ निष्कर्ष

पंचम अध्याय - 'समकालीन उपन्यासों की दलित चेतना में नैमिशराय का योगदान' 111-131

5.1. प्रास्ताविक

5.1.1. जयप्रकाश कर्दम - छप्पर

5.1.2. संजीव - धार

5.1.3. गिरिराज किशोर - परिशिष्ट

5.1.4. दलित उपन्यासकारों में मोहनदास नैमिशराय का योगदान

■ निष्कर्ष

➤ उपसंहार **132-140**

➤ परिशिष्ट **141-150**

➤ संदर्भ ग्रंथ सूची **151-153**

आधार ग्रंथ

समीक्षा ग्रंथ

कोश ग्रंथ

पत्र-पत्रिकाएँ